Daily Current Affairs 07/09/2021

1. **न्यू डेवलपमेंट बैंक ने UAE, उरुग्वे और बांग्लादेश को नए सदस्य के रूप में स्वीकार किया**

चर्चा में क्यों?

- **न्यू डेवलपमेंट बैंक (NDB**) ने अपने विस्तार अभियान के हिस्से के रूप में नए सदस्यों के पहले बैच के रूप में **संयुक्त अरब अमीरात (UAE), उरुग्वे और बांग्लादेश** को स्वीकार किया।

प्रमुख बिंदु

- **न्यू डेवलपमेंट बैंक** ने 2020 के अंत में अपनी सदस्यता विस्तार शुरू किया और संभावित सदस्यों के साथ औपचारिक वार्ता शुरू की।
- एक दौर की सफल वार्ता के बाद, NDB ने UAE, उरुग्वे और बांग्लादेश को अपने पहले नए सदस्य देशों के रूप में प्रवेश को मंजूरी दी।
- NDB में नए सदस्यों के पास बुनियादी ढांचे और सतत विकास में उनके सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक मंच होगा।

न्यू डेवलपमेंट बैंक (NDB) के बारे में:

- यह BRICS (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) देशों द्वारा स्थापित एक बहुपक्षीय विकास बैंक है।
- इसका मुख्यालय शंघाई, चीन में है।
- 15 जुलाई 2014 को, ब्राजील के फोर्टालेजा में आयोजित छठे BRICS शिखर सम्मेलन के पहले दिन, BRICS राज्यों ने न्यू डेवलपमेंट बैंक पर समझौते पर हस्ताक्षर किए।

अधिकृत पूंजी: NDB के पास 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर की अधिकृत पूंजी है, जो संयुक्त राष्ट्र के सदस्यों द्वारा सदस्यता के लिए खुली है।

- अपने परिचालन की शुरुआत के बाद से, बैंक ने अपने सभी सदस्यों में लगभग 80 परियोजनाओं को मंजूरी दी, कुल मिलाकर 30 बिलियन अमरीकी डालर का पोर्टफोलियो।

परियोजनाएं: परिवहन, पानी और स्वच्छता, स्वच्छ ऊर्जा, डिजिटल बुनियादी ढांचे, सामाजिक बुनियादी ढांचे और शहरी विकास जैसे क्षेत्रों में परियोजनाएं बैंक के दायरे में हैं।

स्रोत: न्यूज़ऑनएयर

2. BGCI ने स्टेट ऑफ द वर्ल्ड्स ट्रीज़ रिपोर्ट 2021 लॉन्च किया

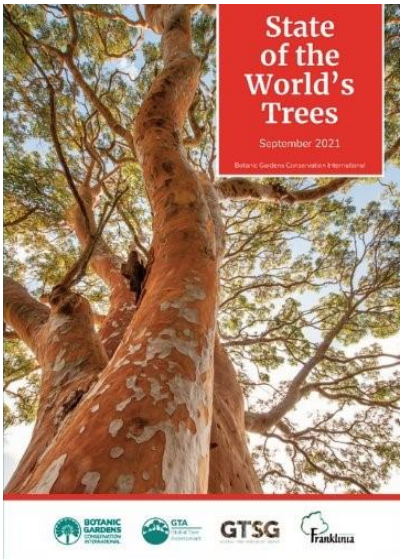

चर्चा में क्यों?

- **बॉटैनिकल गार्डन्स कंजर्वेशन इंटरनेशनल (BGCI)** ने **स्टेट ऑफ़ द वर्ल्ड्स ट्रीज़ रिपोर्ट 2021** लॉन्च किया।
- दुनिया की लगभग एक तिहाई वृक्ष प्रजातियों के विलुप्त होने का खतरा है, जबकि सैकड़ों विलुप्त होने के कगार पर हैं।

प्रमुख बिंदु

- स्टेट ऑफ़ द वर्ल्ड्स ट्रीज़ रिपोर्ट के अनुसार, पेड़ों की 17,500 प्रजातियाँ, जो कि कुल प्रजातियों का लगभग 30% है, के विलुप्त होने का खतरा है, जबकि 440 प्रजातियों के 50 से भी कम वृक्ष बचे हैं।
- सबसे अधिक जोखिम वाले वृक्षों में 'मैगनोलिया' और 'डिप्टरोकार्प्स' जैसी प्रजातियाँ शामिल हैं, जो प्रायः दक्षिण-पूर्व एशियाई वर्षावनों में पाई जाती हैं। इसके अलावा ओक के वृक्ष, मेपल के वृक्ष और आबनूस भी समान खतरों का सामना कर रहे हैं।
- वृक्ष-प्रजातियों की विविधता के लिये दुनिया के शीर्ष छह देशों में पेड़ों की हज़ारों किस्मों के विलुप्त होने का खतरा है। सबसे अधिक खतरा ब्राज़ील में है। अन्य पाँच देश इंडोनेशिया, मलेशिया, चीन, कोलंबिया और वेनेज़ुएला हैं।
- पेड़ प्रजातियों के समक्ष शीर्ष तीन खतरों में- फसल उत्पादन, लकड़ी की कटाई और पशुधन खेती शामिल हैं, जबकि जलवायु परिवर्तन और चरम मौसम संबंधी उभरते खतरे हैं।

वृक्ष को बचाने की जरूरत:

- पेड़ प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र का समर्थन करने में मदद करते हैं और ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए महत्वपूर्ण माने जाते हैं।
- यह विश्व के 50% स्थलीय कार्बन का भंडारण करते हैं और चरम जलवायु जैसे- तूफान और सुनामी की स्थिति में एक बफर के रूप में कार्य करते हैं।

भारत की संबंधित पहल:

- हरित भारत के लिए राष्ट्रीय मिशन
- नगर वन (शहरी वन) योजना
- संकल्प पर्व
- राष्ट्रीय वनरोपण कार्यक्रम
- प्रतिपूरक वनीकरण कोष अधिनियम

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

3. टोक्यो 2020 पैरालंपिक खेल

- **स्थान:** टोक्यो, जापान (24 अगस्त- 5 सितंबर 2021)
- **16वां पैरालंपिक शुभंकर:** सोमेटी

टोक्यो पैरालंपिक में भारत:

- उद्घाटन समारोह में भारत के ध्वजवाहक- टेक चंद (शॉट-पुटर)
- समापन समारोह में भारत के ध्वजवाहक- अवनि लेखरा (शूटर)

रैंक	देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
1	चीन	96	60	51	207
2	ब्रिटेन	41	38	45	124

3	संयुक्त राज्य अमेरिका	37	36	31	104
24	भारत	5	8	6	19

भारत का प्रदर्शन:

- **अवनि लेखरा** ने निशानेबाजी में गोल्ड मेडल जीता। वह **पैरालंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला** बनीं। वह खेलों के **एकल संस्करण** में **कई पदक जीतने वाली** केवल भारतीय हैं (टोक्यो 2020 पैरालंपिक खेलों में शूटिंग में 1 स्वर्ण, 1 कांस्य)।
- सुमित अंतिल ने भाला फेंक में गोल्ड मेडल जीता।
- प्रमोद भगत ने बैडमिंटन में गोल्ड मेडल जीता।
- निशानेबाजी में मनीष नरवाल ने गोल्ड मेडल जीता।
- बैडमिंटन में कृष्णा नागर ने गोल्ड मेडल जीता।

स्रोत: olympics.com

4. असम मंत्रिमंडल ने ओरंग राष्ट्रीय उद्यान से राजीव गांधी का नाम हटाया

चर्चा में क्यों?

- असम मंत्रिमंडल ने ओरंग राष्ट्रीय उद्यान से पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का नाम हटाने का फैसला किया है।

- अब राजीव गांधी ओरंग राष्ट्रीय उद्यान को ओरंग राष्ट्रीय उद्यान के नाम से जाना जाएगा।
- राज्य में आदिवासी समूहों के अनुरोधों के बाद ओरंग राष्ट्रीय उद्यान के मूल नाम को बहाल करने का निर्णय लिया गया था।

प्रमुख बिंदु

ओरंग राष्ट्रीय उद्यान के बारे में:

- गुवाहाटी से लगभग 120 किमी उत्तर-पूर्व में स्थित, 79.28 वर्ग किमी ओरंग असम के सात राष्ट्रीय उद्यानों में से एक है और शीर्ष तीन राइनो आवासों में से एक है।
- यह देश में बाघों के उच्चतम घनत्व में से एक है।
- ओरंग 1985 में एक वन्यजीव अभयारण्य घोषित किया गया था और 1999 में एक राष्ट्रीय उद्यान के लिए उन्नत बनाया गया था।
- यह तरुण गोगोई के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के दौरान राजीव गांधी ओरंग राष्ट्रीय उद्यान बन गया।
- मार्च 2016 में राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण द्वारा राष्ट्रीय उद्यान को टाइगर रिजर्व घोषित किया गया था।

नोट: असम में वर्तमान में सात राष्ट्रीय उद्यान हैं: काजीरंगा, मानस, ओरंग, नामेरी, डिब्रू-सैखोवा और हाल ही में, रायमोना और देहिंग पटकाई।

स्रोत: द हिंदू

5. जे बी महापात्रा CBDT के अध्यक्ष बने

• कैबिनेट की नियुक्ति समिति (ACC) ने **केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (CBDT)** के अध्यक्ष के रूप में जे बी महापात्रा की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है।

• मौजूदा पी सी मोदी का विस्तारित कार्यकाल समाप्त होने के बाद, वह 31 मई 2021 से CBDT अध्यक्ष का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे हैं।

- 1985-बैच के भारतीय राजस्व सेवा (आयकर) अधिकारी, महापात्रा, वर्तमान में आयकर विभाग के लिए नीति तैयार करने वाले बोर्ड के सदस्य हैं।

स्रोत: द हिंदू

6. बहलर कछुआ संरक्षण पुरस्कार 2021

चर्चा में क्यों?

- **भारतीय जीवविज्ञानी डॉ शैलेंद्र सिंह** को तीन **गंभीर रूप से लुप्तप्राय कछुए** की प्रजातियों को उनके विलुप्त होने की स्थिति से बाहर लाने हेतु **बहलर कछुआ संरक्षण पुरस्कार 2021** से सम्मानित किया गया है।
- भारत में **मीठे पानी के कछुओं और अन्य प्रकार के कछुओं की 29 प्रजातियां** हैं।

प्रमुख बिंदु

- इन **गंभीर रूप से लुप्तप्राय कछुओं** को राष्ट्र के कई हिस्सों में TSA इंडिया के विश्लेषण, संरक्षण प्रजनन और प्रशिक्षण कार्यक्रम के हिस्से के रूप में संरक्षित किया जा रहा है।
- नॉर्दन रिवर टेरापिन (बटागुर बस्का) को सुंदरबन पर संरक्षित किया जा रहा है; चंबल में क्रिमसन-क्राउन रूफ टर्टल (बाटागुर कचुगा); और असम के विभिन्न मंदिरों में ब्लैक सॉफ्टशेल टर्टल (निल्सोनिया नाइग्रिकन्स)।

बहलर कछुआ संरक्षण पुरस्कार के बारे में:

- यह दुनिया भर में कछुआ संरक्षण और जीव विज्ञान में उत्कृष्ट उपलब्धियों, योगदान और प्रबंधन उत्कृष्टता को पहचानने के लिए 2006 में स्थापित किया गया था।
- इसमें 5000 डॉलर का मानदेय दिया जाता है और इसे व्यापक रूप से कछुआ संरक्षण और जीव विज्ञान का "नोबेल पुरस्कार" माना जाता है।
- यह टर्टल सर्वाइवल एलायंस (TSA), IUCN/SSC कछुआ और मीठे पानी के कछुए विशेषज्ञ समूह, कछुआ संरक्षण और कछुआ संरक्षण कोष द्वारा सह-प्रस्तुत किया गया है।

सुरक्षा स्थिति:

- अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) लाल सूची: गंभीर रूप से संकटग्रस्त
- CITES (वन्य जीवों एवं वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन)
- वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972

स्रोत: द हिंदू